

०जगधक n. dass. AK. 2, 4, 5, 32.

देवजनं (देव + जन) m. Göttervolk, göttliche Schaar; pl.: पुनस्तु मा देव-  
जनाः पुनस्तु मनवो धिया AV. 6, 19, 1 (vgl. VS. 19, 39). 93, 1. ०नाः, मनुष्याः  
9, 7, 16. 11, 3, 2. 15, 3, 10. सर्वेभ्यो देवेभ्यो देवजनेभ्यः पुण्यजनेभ्यः Kāṣṭh.  
75. von dämonischen Schaaren, namentlich von Schlangenwesen AV.  
6, 56, 1. sing. 11, 9, 5. 10, 5. सर्पदेवजनाः VS. 30, 8. ÇĀṆKH. Br. 2, 2. Çr.  
6, 2, 1. ĀṇV. Çr. 2, 4. GṛhJ. 2, 1. ०विद्या (wofür in ĀṇV. Çr. पिशाचवि-  
द्या) Çat. Br. 13, 4, 3, 10. KĀND. Up. 7, 1, 2. 4. रत्नेदेवजनाः ÇĀṆKH. Br. 2,  
2. — Vgl. देवजन und इतरजन.

देवजां (देव + 1. जा) adj. gottgezeugt, — geboren: ऋषयः RV. 1, 164,  
15. 3, 53, 9. मणि AV. 10, 6, 31. — Vgl. देवज.

1. देवजात (देव + जात) adj. dass.: वाजिनो ०तस्य सतेः RV. 1, 162, 1.  
धाराः 9, 97, 29. हरेर्दशे ०ताप केतवे 10, 37, 1. वीरुध् AV. 2, 7, 1. 19, 32, 7.

2. देवजातै (wie eben) n. Göttergeschlecht, — klasse: एतानि ०तानि ग-  
णां शाखायते Çat. Br. 14, 4, 2, 24. ÇĀṆKH. Br. 22, 1. fgg. 23, 8.

1. देवजामि (देव + जामि) adj. den Göttern eigen, — gewohnt: अयामि  
घोष इन्द्र देवजामिः RV. 7, 23, 2.

2. देवजामि (wie eben) f. Götterschwester: देवजामिनी पुत्रौ ऽमि AV. 6,  
46, 2. Kāṣṭh. 74. ०जामय इन्द्रमातरः Liedverfasserinnen von RV. 10, 133.  
Ind. St. 3, 219.

देवजुष्ट (देव + जुष्ट) adj. Göttern angenehm: गिरु RV. 1, 77, 1. 5, 43,  
4. कृष्य 4, 26, 4. होतरु 10, 88, 4. 70, 4. अ० Ait. Br. 2, 5.

देवजूत (देव + जूत) adj. gottgetrieben, — begeistert: इन्द्रे सहे देवजूत-  
मियानाः RV. 7, 23, 5. ऋषि 3, 53, 9. वाजिन् 10, 178, 1. 143, 2. धनुस् AV.  
5, 18, 8. von Göttern verschafft: रयि RV. 4, 11, 4. 7, 84, 3.

देवत m. Künstler UéVAL. zu UNĀDIS. 4, 81.

देवतो f. ein best. Vogel, = गङ्गाचक्षी Hā. 83.

देवतर m. N. pr. eines Mannes gaṇa शुधादि zu P. 4, 1, 123. — Vgl.

देवतरस्.

देवतरथ (देव + त० von 1. तर) m. प्रतिथिर्देवतरथः N. pr. eines Leh-  
rers Ind. St. 4, 373. 385. MÜLLER, SL. 444.

देवतरस् (देव + त०) m. mit dem patron. Çāvasājana N. pr. eines Leh-  
rers ebend. — Vgl. देवतरस्.

देवतरु (देव + तरु) m. Götterbaum, allgem. Bez. für die 3 Bäume म-  
न्दार, पारिजातक, संतान, कल्पवृक्ष und हरिचन्दन AK. 1, 1, 1, 45. = चै-  
त्य ein an geheiligter Stätte stehender Feigenbaum u. s. w. Trik. 2, 4, 2.  
— Vgl. व्युतरु.

1. देवता (von देव) f. 1) göttliche Würde, — Macht; Göttlichkeit: तानो  
देवा देवताया युवं मधुमतस्कृतम् RV. 10, 24, 6. VS. 10, 30. 13, 19. येन देवा  
देवतामयं आयन् AV. 3, 22, 3. TBa. 1, 8, 1, 1. सर्वे पुरुषकारेण मानुष्यादेवतां  
गताः MBh. 13, 308. — 2) Gottheit P. 5, 4, 27. AK. 1, 1, 1, 4. H. 88. वृह-  
स्पते प्रति मे देवतामिहि gehe für mich eine Gottheit an RV. 10, 98, 1.  
यमोदनं पचतो देवते इह AV. 12, 3, 12. सर्वा ह्यस्मिन्देवता गवि गोष्ठ ई-  
वासते 11, 8, 32. त्र्यम्बिंशदेवताः 12, 3, 16. 33. 4, 32. 7, 78, 2. 10, 6, 17. 29.  
11, 7, 4. TBa. 2, 3, 1, 3. TS. 1, 6, 3, 3. देवानां वा अनिष्टा देवतां आसन् 2, 6,  
1, 5. Ait. Br. 1, 1. अथिर्वै देवता प्रथममर्ककृते 4, 29. यस्यै वै कस्यै च दे-  
वतायै कविर्गृह्यते Çat. Br. 1, 6, 2, 7. 7, 3, 12. 12, 1, 3, 6. Nir. 7, 1. ऐन्द्रा  
वा देवतया तत्रिषा भवति त्रैशुभप्रकृन्दा der Gottheit nach Ait. Br. 7,

23. वारुणो हि देवतयाश्चः सम्यै TBa. 1, 7, 2, 6. M. 2, 176. 3, 56 u. s. w.  
N. 4, 16. 17, 25. R. 1, 1, 85. 2, 11. Raṅg. 2, 16. Vid. 112. Schol. zu ÇĀK.  
7, 10. देवतातम ÇĀṆKH. Çr. 1, 16, 15. गृह्, वास्तु ० ĀṇV. GṛhJ. 1, 2. पितृ०,  
पशु० 2, 4. एवं देवत ÇĀṆKH. Çr. 6, 10, 13. तदे० Ait. Br. 1, 15. KĀTJ. Çr.  
24, 6, 43. प्रतिदेवतम् 15, 10, 13. यद्यदेवतम् Çat. Br. 1, 4, 2, 17. 3, 2, 23.  
वाग्देवताकैश्वर्यभिः KULL. zu M. 8, 105. Götterbild: देवतानां गुरो राक्षः  
स्नातकाचार्ययास्तथा। नाक्रामेत्कामतप्रक्षायाम् M. 4, 130. (पुरातनम्) सुवि-  
भक्तमकार्थं देवतावाधवर्जितम् MBh. 1, 7579. देवतापतनस्याश्च कौरवे-  
न्द्रस्य देवताः। कम्पते च हसते च नृपति च हृदा स च॥ 6, 5208 (vgl. देव-  
ताप्रतिमा). ०स्नान MATSJA-P. in Verz. d. Oxf. H. 43, a, 5. Im Veda soll  
im loc. neben देवतायाम् auch देवते, im voc. neben देवते auch देवत vor-  
kommen, KĀC. zu P. 7, 3, 107. — 3) Bez. der Sinnesorgane (vgl. देव 9)  
Çat. Br. 2, 3, 2, 2. 7, 4, 2, 3. 8, 2, 1, 11. 13, 3, 2, 10. 14, 4, 1, 7. Ind. St. 1, 408.  
— Vgl. अ०, वन०, मरुदेवत.

2. देवता adv. 1) (erstarrter instr. von 1. देवता) in der Eigenschaft  
als Gott, — Götter (vgl. पुरुषता, पुरुषवता): प्रवर्षेण देवताति चोक्ते  
RV. 1, 35, 3. स चेतो देवता पदम् 22, 5. न यस्य देवा देवता न मर्ता अयश्च-  
न शर्वसो अन्तर्मापुः 100, 15. इन्द्रं न त्वा शर्वसा देवतां ज्ञायुं पृणति राधसा  
नृत्माः 6, 4, 7. AV. 4, 1, 3. — 2) unter den Göttern, zu den Göttern: न  
वायौ अस्ति देवता विद्वानः RV. 1, 163, 9. धर्मे यज्ञं हविषं च देवता 6,  
70, 5. इमं यज्ञं नयत देवता नः 4, 58, 10. 7, 1, 23. 63, 3. मा धुरिन्द्रं नाम दे-  
वतां दिवश्च गमश्चापि च ज्ञतवः 10, 49, 2. 4, 44, 2. 8, 3, 14. In der zweiten  
Bed. wohl unmittelbar auf देव zurückzuführen.

देवतागार (1. दे० + अगार oder आ०) n. Tempel, Kapelle M. 9, 280.  
R. 2, 4, 29.

देवतागृह (1. दे० + गृह) n. dass. KATHS. 26, 195. Vid. 90. 138.

देवताजित् (1. दे० + जित्) m. N. pr. eines Sohnes des Sumati und  
Grosssohnes des Bharata BhāG. P. 5, 13, 2.

देवताज् m. 1) N. eines Grasses, *Lipeocercis serrata Trin.*, AK. 2, 4, 2,  
40. Trik. 3, 3, 342. MED. d. 40. Auch ०ताज् f. GATĀDH. im ÇKDR. ०ता-  
उक् m. RATNAM. 62. — 2) = घोषक *Luffa foetida Cav.* oder eine ähn-  
liche Pflanze H. an. 4, 72. — 3) Feuer H. an. MED. — 4) Bein. Rāhu's  
diess. — Vgl. ताज, देवदाली.

देवतात् (von देव) f. (dat. und loc.) Gottesdienst: एवा देव देवताते पव-  
स्व RV. 9, 97, 27. जुष्टो मदीय देवतात इन्द्रे 19. 96. 3. यो देवतात्युद्यता।  
कृष्यान्धिरयद्वि 8, 63, 3. 10, 8, 2.

देवताति (wie eben) f. 1) dass. Naigh. 3, 17. सनौ यन् देवताता यज्ञियान्  
RV. 3, 19, 1. 4, 6, 1. 6, 4, 1. मनुष्यो देवतातये 3, 26, 2. तममे शनानाय सु-  
न्वते रत्नं यविष्ठ देवतातिमन्वास 1, 141, 10. त्वेनो देवतातये रायो दानाय  
चोदय 10, 141, 6. 1, 34, 5. 127, 9. 4, 6, 9. 7, 38, 7. 9, 17, 7. 63, 27. — 2) Gottheit  
d. h. Götter insgemein P. 4, 4, 142. स अ वं देवतातिम् RV. 3, 19, 4. इमो अग्ने  
कृष्यान्मि वन्ति देवतातिमच्छं 7, 1, 18. प्रताचो जूष्णं देवतातिमाते 39, 1.

देवतात्मा (1. देवता + आत्मन्) f. die Mutter der Götter MED. avj.  
7. — Vgl. देवता.

देवताधिप m. der Oberherr (अधिप) der Götter (देवता), Bein. Indra's  
ÇABDAR. im ÇKDR.

देवताध्याय (देवता + अध्याय) n. (sc. ब्राह्मण) Titel eines Brāhmaṇa  
MÜLLER, SL. 348.